पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

हमारा मन बहुत ही नाजुक सा है, जैसे ही आप उसे कुछ भारी देंगे, जिसमें कुछ सोचना है, तो वो उसे छोड़ता ही चला जाएगा। देखो, सभी चाहते हैं कि दुनिया में मेरा नाम हो, दुनिया में सब मुझे पहचानें। लेकिन नाम और पहचान के लिए मन को सही दिशा में लगाना तो पड़ेगा ना, और लगाने के लिए मन को एकाग्र करना अति आवश्यक है।

अब देखिये, आप अपने विचारों के लिए कुछ नया नहीं करेंगे, उसे कुछ नहीं देंगे तो मन तो भागेगा, और वो पता है कहाँ जायेगा, सिर्फ और सिर्फ आकर्षण की तरफ। जहाँ पर व्यक्ति आबाद नहीं बर्बाद होता है। इस दुनिया में इच्छा से बड़ी कोई भी रचनात्मक शक्ति नहीं है, लेकिन रचनात्मकता लाना सबके वश की बात नहीं है। कारण सीधा और साफ है कि यदि हमारे जीवन में हम लक्ष्य विहीन हैं तो हमारा मन नहीं करेगा कुछ नया करने का।

हर वो चीज़ जो इंसानों की समझ से परे है, उसे इस दुनिया में लोग कारण और प्रभाव के नाम से जानते हैं या कॉज़ एंड इफेक्ट कहते हैं। आजकल विज्ञान भी इसकी पैरवी करता है, विज्ञान कहता है कि इस दुनिया में चमत्कार जैसी कोई भी चीज़ अस्तित्व

में नहीं है। सबकुछ कारण और उसका प्रभाव है। हर विचार एक कारण है और उसका प्रभाव हमारे शरीर पर दिखाई देता है। आज हमारी सोच इतनी छोटी है कि हम परमात्मा तक को भी उस छोटी सोच में, उस छोटे दायरे में फिट करने की कोशिश करते हैं जो कि असंभव है। जीवन की हर घटना जब घटती है तो वो एक डॉट अर्थात् छोटी सी एक बिन्दु समान होती है। जब वो घटती है तो पता नहीं चलता, लेकिन धीरे-धीरे जब वो बड़ा रूप लेती है तो बहुत कुछ बीत चुका होता है। अब आपको समझ में आ जाना चाहिए कि हमारी दिनचर्या अथवा जीवन में जो कुछ भी अच्छा या बुरा हो रहा है वो कारण और उसके प्रभाव के आधार से ही है। हम सभी तीन स्तर पर काम कर रहे हैं, प्रथम भौतिक स्तर, दूसरा कोशिका उत्तक अर्थात् फीज़ियोलॉजिकल लेवल, तीसरा स्तर है मनोवैज्ञानिक पहलू। हम दो स्तर को तो देखते हैं, लेकिन तीसरा स्तर जो मनोवैज्ञानिक पहलू है, घटनायें उसी स्तर से घट रही हैं। हमारा मन हमारे वश में नहीं है आज, उसमें कभी भी कुछ भी चले, चाहे खाना खाने का विचार हो, चाहे सोने का विचार, चाहे रोने का विचार हो, हर विचार का प्रभाव हमारे मन के दायरे को छूता है। आप सोचिये ज़रा, मन हर समय कुछ न कुछ ढूंढ़ रहा है, कुछ न कुछ सोचना चाहता है, तो क्यों न हम कुछ रचनात्मक सोचें, जिसमें अपना भला हो, समाज का भला हो, दूसरों का भला हो, विश्व का भला हो। अगर हम ऐसा सोचना शुरु करेंगे तो दूसरों का कल्याण तो बाद में होगा, पहले तो अपना कल्याण शुरु हो जाएगा।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-19-2017

1			2	■	3			4	■
	■	■	5			■	■	6	
	■	7	■	■	8	9		■	■
10	11		12		■		■	13	
■		■		■	14		■		■
15		16	■	17		■	18		19
■	20			■		■		■	
■	■		■	■	■	21		■	
■	22	■	■	23	■	■	■	24	
25			■	26				■	■

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. बाप आकर तुम बच्चों को भगवान....बनाते हैं (4)
2. अच्छे-अच्छे बच्चों को माया....कान से पकड़ लेती है (2)
3. ....तेरी गली में जीना तेरी गली में (3)
4. इस पतित दुनिया से तुम्हारी सारी....टूट जानी चाहिए, लगाव (2)
7. थोड़ा, अल्प, कम (2)
9. रोज़ ज्ञान-योग की....खिलाकर अपनी आत्मा को तन्दुरुस्त बनाना है (3)
11. अन्त, समाप्ति (4)
12. स्नेह, प्रेम, लगाव (2)
13. विकारों के कारण ही तुम्हारी....हुई है, दुर्दशा (3)
14. बाप आये हैं तुम बच्चों को....बनाने, पवित्र (3)
16. अन्त में खूनी....खेल चलना है (3)
18. शुद्ध, पाक, पावन (3)
19. शरीर की स्थिति, मन की स्थिति, मन, स्वास्थ्य (4)
22. अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला, ज्ञान देने वाला (2)
23. आशीर्वाद, प्रार्थना, विनती (2)

बायें से दायें

1. रास्ता भूलना, इधर-उधर घूमना (4)
3. हनुमान, जो....होगा वह झट संजीवनी बूटी देंगे (4)
5. कटि, शरीर का मध्य भाग (3)
6. गरम, तपत (2)
8. अप्रसन्न, नाराज़ (3)
10. बाप ही आकर ज्ञान का....देते हैं (5)
13. आधा कल्प तुम बच्चे....भोगते आये हो (2)
14. पवित्र, शुद्ध (3)
15. निज, स्वजन, निजका (3)
17. नया, नवीन, नूतन (2)
18. रावण ने तुम बच्चों को....बनाया है (3)
20. कृत्रिम जल मार्ग (3)
21. अतर, खुशबू (2)
24. झुका हुआ, नम्र, विनीत (2)
25. अपने फरिश्ता....से बाप का साक्षात्कार कराओ (3)
26. ....सबको बाप के पास आना ही पड़ेगा, अन्त में (4)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन

बुटवल-नेपाल। नेपाल के उपप्रधान एवं गृहमंत्री माननीय कमल थापा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.नारायण।

नई दिल्ली-आर.के.पुरम। 'खुशी या तनाव, स्वयं करो चुनाव' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. उर्मिला,माउण्ट आबू, ए.डी.जी. प्रभाकर सिंह,मिनिस्ट्री ऑफ अर्बन डेवलपमेंट, सोमदत्त डांगी, ब्र.कु. अनिता, ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. मनीषा तथा ब्र.कु. कुसुम।

कुत्र-ओडिशा। नवनिर्मित भवन 'प्रभु उपहार' का उद्घाटन करते हुए इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु.कमला दीदी।

कटक-ओडिशा। 19 ग्राम पंचायतों से आए हुए सरपंच एवं समिति सभ्य को शिव संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सुलोचना, पंचायत समिति की अध्यक्षा स्वप्न सरिता तथा अन्य।

दिगावा मण्डी-हरियाणा। डायबिटीज़ पीड़ितों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा शिविर 'मधुर मधुमेह' के अवसर पर महंत केशव नाथ को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.शकुन्तला। साथ हैं ब्लॉक समिति के अध्यक्ष नंदलाल मतानी।

चिरकुण्डा-झारखण्ड। भारत विकास परिषद,मैथन शाखा झारखण्ड की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित 'अध्यात्म एवं सामाजिक दायित्व पालन में राजयोग की भूमिका' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पिंकी। मंचासीन हैं ब्र.कु. अनिता, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. समीर तथा अन्य।